ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–81
दिनांक– शुक्रवार, 24 अक्टूबर, 2025

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.2 एवं 20.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 95.0 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 64.0 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.8 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.0 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 26.2 एवं दोपहर में 33.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(25–29 अक्टूबर, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 25–29 अक्टूबर, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल देखे जा सकते हैं। इस अवधि में मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 30–32 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 21–22 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 2–3 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से अगले एक–दो दिन पछिया हवा उसके बाद पुरवा हवा चलने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान भाई धान की कटनी तथा दौनी के कार्य को उच्च प्राथमिकता देकर पूरा करने का प्रयास करें। राई, मसूर, सुर्यमुखी, लहसुन, शरदकालीन गन्ना, मटर, राजमा की बुआई प्राथमिकता से करें। सब्जियों में आवश्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें एवं कीट तथा रोग–व्याधि का नियमित रुप से निरीक्षण करें।
- सूर्यमुखी की बुआई करे। बुआई के समय खेत की जुताई में 30–40 किलोग्राम नेत्रजन, 80–90 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 40 किलोग्राम पोटास का व्यवहार करे। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमूखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन, सूर्या, सी0ओ0–1 एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए के0बी0एस0एच0–1, के0बी0एस0एच0–1, के0बी0एस0एच0–44, एम0एस0एफ0एच0–1, एम0एस0एफ0एच0–8 एवं एम0एस0एफ0एच0–17 अनुशंसित है। संकर किस्मों के लिए बीज दर 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए 8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को 2 ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करे।
- मसुर के मल्लिका(के0–75), अरुण (पी0एल0 77–12), के0एल0एस0– 218, एच0यू0एल0–57, पी0एल0–5 एवं डब्लू0वी0एल0 77 किस्मो की बुआई करें। बुआई के समय खेत की जुताई में 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फॉसफोरस, 20 किलोग्राम पोटास एवं 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बुआई के 2–3 दिन पूर्व कार्बेन्डाजीम फ़ुंदनाषक दवा का 1.0 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधित करें। तत्पश्चात कीटनाशी दवा क्लोरपाईरीफॉस 20 ई.सी. का 8 मि.ली. प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर (5 पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें।
- रबी प्याज की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए एग्रीफाउण्ड लाईट रेड, अर्का निकेतन, एन 2–4–1, नासिक रेड, पूसा रेड एवं भीमासुपर किस्में अनुशंसित है। 20–25 दिनों के नर्सरी से खरपतवार की निकासी करते रहें।
- रवी फसल की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत के आसपास के मेड़, नालियॉ एवं रास्तो में उगे जंगलो की सफाई करें। गोबर की सड़ी खाद 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर एवं जुताई कर मिला दें।
- राजमा की बुआई करें। इसके लिए उदय (पी0डी0आर0–14), अम्बर (आई0आई0पी0आर0–96–4) एवं उत्कर्ष (आई0पी0आर0–98–5) किस्में अनुशंसित है। बीज बुआई की दूरी 30X10 से0मी0 रखें। बुआई से पहले खेत की जुताई में 50 किलोग्रम नेत्रजन, 50 किलोग्रम फॉसफोरस, 30 किलोग्राम पोटास एवं 20 किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करें। बीज को 2 ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।
- मटर की बुआई करें। इसके लिए रचना, मालवीय मटर–15, अपर्णा, हरभजन, पूसा प्रभात एवं भी0 ऐल0–42 किस्में अनुशंसित है। बीज दर 75–80 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दूरी 30X10 से0मी0 रखें। बीज को उचित राइजोबियम कल्चर (5 पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करे।
- धनियाँ की बुआई करें। राजेन्द्र स्वाती, पंत हरितिमा, कुमारगंज सेलेक्शन, हिसार आंनद धनियाँ की अनुशंसित किस्में है। पंक्ति में लगाने पर बीज दर 18–20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दूरी 30X20 से0मी0 रखें। बीज को 2.5 ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। अच्छे जमाव के लिए बीज को दरर कर दो भागो में विभाजित कर बुआई करें।
- लहसुन की बुआई करें। गोदावरी (सेलेक्सन–1), श्वेता (सेलेक्सन–10), एग्रीफाउंड डार्करेड (जी–11), एग्रीफाउंड व्हाईट (जी–41), एग्रीफाउंड पार्वती (जी–313), जमुना सफेद–2 (जी0–50), जमुना सफेद–3 (जी0–282), जमुना सफेद–4 (जी0–323) एवं आर0ए0यू0 (जी–5) लहसुन की अनुशंसित किस्में है। बीज दर 300–500 किलोग्राम जावा प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दूरी 15X10 से0मी0 रखें।

आज का अधिकतम तापमानः 33.1 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 21.0 डग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी